

[ श्री संयद सिन्हे रणौ ]

हिन्दुस्तान को बचा सकेंगे, मुल्क की जम्हूरियत को बचा सकेंगे, लोकतंत्र को बचा सकेंगे ।

#### ALLOCATION OF TIME FOR DISPOSAL OF GOVERNMENT LEGISLATIVE BUSINESS

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA). Before I call the next speaker, I have to make an announcement.

I have to inform Members that the Business Advisory Committee, at its meeting held today, the 3rd January 1991, allotted time for Government legislative business as follows —

Business	Time Allotted
1 Consideration and passing of the following Bill after these are passed by the Lok Sabha	
(a) The public Liability Insurance Bill, 1990	1 hr
(b) Tanjute Manufactures Development Council (Amendment) Bill, 1990	2 hrs

#### CALLING ATTENTION TO A MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE—COMMUNAL SITUATION IN THE COUNTRY—(contd)

THE VICE-CHAIRMAN (DR. NAGEN SAIKIA): Yes, Mr. Rafique Alam.

श्री रफीक आलम (बिहार) : उप-सभाध्यक्ष जी, मैं ज्यादा वक्त नहीं लेना चाहता क्योंकि मैं बहुत दुखी हूँ। आख जो कुछ देखती हैं, सब पर आ सकता

नहीं। खून, कत्ल, गारतगिरी के वाक्यात जो हुये हैं पूरे हिन्दुस्तान के ज्यादातर हिस्से में, वह इन्तहाई शर्मनाक हैं और यही नहीं, मारने वाला कोई दूसरी क़द्दी का नहीं— मारने वाले भी हिन्दुस्तानी, मारे जाने वाले भी हिन्दुस्तानी और करोड़ों की जायदाद का नुकसान जो हुआ, क्या यह पाकिस्तान का नुकसान हुआ या चीन का नुकसान हुआ ? यह तो आखिर भारत का ही नुकसान हुआ ।

आजादी के 43 साल के बाद हमारे हिन्दुस्तानी अपने को हिन्दुस्तानी नहीं समझे, तो इससे बढ़ कर शर्म की बात कुछ हो नहीं सकती। मुझे इस बात का दुख है कि जितने फिर्दौस विराना फिसाद अब तक हुये एक मुहज्जब मुल्क हिन्दुस्तान में, किसी को आज तक सजा नहीं हुई। अगर सजा होती, तो यह वाक्यात नहीं होते ।

आप जानते हैं कि ऐसे मामले में क्रिमिनलज ज है, जिसका कोई धर्म नहीं—न वह मुसलमान है, न हिंदू, न सिख और न ईसाई है, इनका एक ही काम रहता है लूटना। इन लोगों को यह काम मिल जाता है जब ला एण्ड आर्डर खराब होता है और यह लूटते हैं और जलाते हैं ।

अब इस तरह से मासूम बच्चों का कत्ल करना, औरतों को जिंदा जला देना यह इन्तहाई शर्मनाक है कि आजाद हिन्दुस्तान में इस तरह के वाक्यात हो रहे हैं। पता नहीं बाहर के लोग क्या समझेंगे। अभी हमारे हाशमी साहब ने कहा भी कि वह अमरीका में गये थे—हालांकि जगन्नाथ आजाद जी बहुत बड़े शायर हैं, उन्होंने कहा कि हमें शम महसूस हुई जब वहा के लोगो ने कहा पता नहीं सियासी ताकत को हासिल करने के लिए मजहब और धर्म को अगर हथियार बनाया जाए, तो इससे बढ़ कर मुल्क के लिए कोई शर्मादंगी नहीं हो सकती। मेरे पास अलफाज नहीं हैं कि मैं बताऊँ कि आखिर इस मुल्क को क्या हो गया है। ठीक हैं वोटर्स वो देंगे। आप अपने मेनिफेस्टो दीजिए, लेकिन वोटर्स को खत्म करके, तब आप चाहते हैं